



बिहार गजट

बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

संख्या 07 पटना, बुधवार, 26 माघ 1933 (श0)
15 फरवरी 2012 (ई0)

विषय-सूची

पृष्ठ	पृष्ठ
भाग-1—नियुक्ति, पदस्थापन, बदली, शक्ति, छुट्टी और अन्य व्यक्तिगत सूचनाएं।	भाग-5—बिहार विधान मंडल में पुरःस्थापित विधेयक, उक्त विधान मंडल में उपस्थापित या उपस्थापित किये जानेवाले प्रवर समितियों के प्रतिवेदन और उक्त विधान मंडल में पुरःस्थापन के पूर्व प्रकाशित विधेयक।
भाग-1-क—स्वयंसेवक गुल्मों के समादेष्टाओं के आदेश।	भाग-7—संसद के अधिनियम जिनपर राष्ट्रपति की ज्येष्ठअनुमति मिल चुकी है।
भाग-1-ख—मैट्रीकुलेशन, आई0ए0, आई0एससी0, बी0ए0, बी0एससी0, एम0ए0, एम0एससी0, लॉ भाग-1 और 2, एम0बी0बी0एस0, बी0एस0ई0, डीप0-इन-एड0, एम0एस0 और मुख्तारी परीक्षाओं के परीक्षा-फल, कार्यक्रम, छात्रवृत्ति प्रदान, आदि।	भाग-8—भारत की संसद में पुरःस्थापित विधेयक, संसद में उपस्थापित प्रवर समितियों के प्रतिवेदन और संसद में उपस्थापित प्रवर समितियों के प्रतिवेदन और संसद में पुरःस्थापन के पूर्व प्रकाशित विधेयक।
भाग-1-ग—शिक्षा संबंधी सूचनाएं, परीक्षाफल आदि	भाग-9—विज्ञापन
भाग-2—बिहार-राज्यपाल और कार्याध्यक्षों द्वारा निकाले गये विनियम, आदेश, अधिसूचनाएं और नियम आदि।	भाग-9-क—वन विभाग की नीलामी संबंधी सूचनाएं
भाग-3—भारत सरकार, पश्चिम बंगाल सरकार और उच्च न्यायालय के आदेश, अधिसूचनाएं और नियम, 'भारत गजट' और राज्य गजटों के उद्धरण।	भाग-9-ख—निविदा सूचनाएं, परिवहन सूचनाएं, न्यायालय सूचनाएं और सर्वसाधारण सूचनाएं इत्यादि।
भाग-4—बिहार अधिनियम	पूरक
	पूरक-क

भाग-1

नियुक्ति, पदस्थापन, बदली, शक्ति, छुट्टी और अन्य वैयक्तिक सूचनाएं

वित्त विभाग

अधिसूचनाएं

2 फरवरी 2012

सं० को०प्र०/स्था०-12/2010/1381/वि०—श्री जीवन अग्रवाल, बिहार वित्त सेवा (सहायक आयुक्त), जिनकी प्रतिनियुक्ति वित्त विभाग में बजट कार्य हेतु अवर सचिव के पद पर की गयी थी, को स्थानांतरण करते हुए अगले आदेश तक कोषागार पदाधिकारी, भोजपुर (आरा) के पद पर पदस्थापित किया जाता है ।

बिहार—राज्यपाल के आदेश से,
प्रभात शंकर, अपर सचिव ।

2 फरवरी 2012

सं० को०प्र०/स्था०-12/2010/1382/वि०—श्री वासुकी नाथ, बिहार लेखा सेवा, सहायक कोषागार, पदाधिकारी, खगड़िया को अगले आदेश तक सहायक कोषागार पदाधिकारी, नालंदा के पद पर पदस्थापित किया जाता है ।

बिहार—राज्यपाल के आदेश से,
प्रभात शंकर, अपर सचिव ।

योजना एवं विकास विभाग

अधिसूचनाएं

23 जनवरी 2012

सं० यो०/स्था०1/2-14/2011-339-यो०वि०—योजना एवं विकास विभाग के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन राज्यादेश संख्या 2570, दिनांक 3 अगस्त 2011 द्वारा गठित स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन के लिए जल संसाधन विभाग, बिहार, पटना के अधिसूचना संख्या 2479, दिनांक 29 दिसम्बर 2011 द्वारा कार्यपालक अभियन्ताओं की सेवा सौंपी गयी है। इन कार्यपालक अभियन्ताओं का पदस्थापन निम्नलिखित जिलों के कार्यपालक अभियन्ता, स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन, कार्य प्रमंडल के रिक्त पदों के विरुद्ध उनके नाम के सम्मुख स्तम्भ-5 में उल्लिखित कार्यप्रमंडलों के लिए अगले आदेश तक के लिए किया जाता है:-

क्र०	कार्यपालक अभियन्ता का नाम	गृह जिला	वर्तमान पदस्थापन	कार्यपालक अभियन्ता, स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन कार्यालय में नव पदस्थापन
1	2	3	4	5
1	श्री राम पदारथ नारायण	नालन्दा	कार्यपालक अभियन्ता, कार्य प्रमंडल-3, गया, ग्रामीण कार्य विभाग	कार्यपालक अभियन्ता, कार्य प्रमंडल-1, दरभंगा
2	श्री ओम प्रकाश सिंह	रोहतास	जिला अभियन्ता, औरंगाबाद, ग्रामीण कार्य विभाग	कार्यपालक अभियन्ता, कार्य प्रमंडल-1, मधुबनी
3	श्री ज्योति प्रकाश सिंह	पटना	कार्यपालक अभियन्ता, कार्य प्रमंडल-2, गोपालगंज, ग्रामीण कार्य विभाग	कार्यपालक अभियन्ता, कार्य प्रमंडल-1, हाजीपुर, वैशाली

क्र०	कार्यपालक अभियंता का नाम	गृह जिला	वर्तमान पदस्थापन	कार्यपालक अभियंता, स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन कार्यालय में नव पदस्थापन
1	2	3	4	5
4	श्री अभय नारायण	मुजफ्फरपुर	कार्यपालक अभियंता, संविदा प्रशासन प्रमंडल (मु0-3, पटना) ग्रामीण कार्य विभाग	कार्यपालक अभियंता, कार्य प्रमण्डल-1, समस्तीपुर

2. उपर्युक्त सभी नव पदस्थापित कार्यपालक अभियंता यथाशीघ्र अपने नव पदस्थापित पद का प्रभार ग्रहण करेंगे।

3. स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन के जिला स्तरीय प्रमण्डलों का स्थापना व्यय मुख्य शीर्ष-2053 जिला प्रशासन, उपमुख्य शीर्ष-00, लघु शीर्ष-094, अन्य स्थापनाएँ, उपशीर्ष-0007, योजना तंत्र का सुदृढीकरण, मांग संख्या-35, विपत्र कोड-N-2053000940007 के अन्तर्गत विकलनीय होगा।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
विजय प्रकाश, प्रधान सचिव।

23 जनवरी 2012

सं० यो0/स्था01/12-07/2011-344-यो0वि0-योजना एवं विकास विभाग के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन राज्यादेश संख्या 2570, दिनांक 3 अगस्त 2011 द्वारा गठित स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन के लिए पथ निर्माण विभाग के अधिसूचना संख्या 14470(S), 14471(S), 14472(S), दिनांक 30 दिसम्बर 2011 एवं जल संसाधन विभाग, बिहार, पटना के अधिसूचना संख्या 2480, दिनांक 30 दिसम्बर 2011 द्वारा अधीक्षण अभियन्ताओं की सेवा सौंपी गयी है। इन अधीक्षण अभियन्ताओं को स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन, योजना एवं विकास विभाग के रिक्त पद के विरुद्ध अगले आदेश तक पदस्थापित किया जाता है:-

क्र०	अधीक्षण अभियंता का नाम	गृह जिला	वर्तमान पदस्थापन	नव पदस्थापन
1	2	3	4	5
1	श्री रमेश प्रसाद सिंह	खगड़िया	अधीक्षण अभियंता, राष्ट्रीय उच्च पथ, गुण नियंत्रण अंचल संख्या-1, पथ निर्माण विभाग	अधीक्षण अभियंता, स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन, पूर्णियां प्रमण्डल, पूर्णियां अतिरिक्त प्रभार- अधीक्षण अभियंता, स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन, कोसी प्रमण्डल, सहरसा
2	श्री शिवेन्द्र पासी	सहरसा	भवन निर्माण विभाग	अधीक्षण अभियंता, स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन, भागलपुर प्रमण्डल, भागलपुर अतिरिक्त प्रभार-अधीक्षण अभियंता, स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन, मुंगेर प्रमण्डल, मुंगेर
3	श्री रामप्रवेश कुमार सिंह	गया	ग्रामीण कार्य विभाग	अधीक्षण अभियंता, स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन, तिरहुत प्रमण्डल, मुजफ्फरपुर अतिरिक्त प्रभार-अधीक्षण अभियंता, स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन, दरभंगा प्रमण्डल, दरभंगा

क्र०	अधीक्षण अभियंता का नाम	गृह जिला	वर्तमान पदस्थापन	नव पदस्थापन
1	2	3	4	5
4	श्री अशोक कुमार तिवारी	मुजफ्फरपुर	कार्य अंचल, सासाराम, ग्रामीण कार्य विभाग	अधीक्षण अभियंता, स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन, सारण प्रमण्डल, छपरा अतिरिक्त प्रभार— अधीक्षण अभियंता, स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन, पटना प्रमण्डल, पटना

2. उपर्युक्त सभी नव पदस्थापित अधीक्षण अभियंता यथाशीघ्र अपने नव पदस्थापित पद का प्रभार ग्रहण करेंगे।

3. स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन के जिला स्तरीय प्रमण्डलों का स्थापना व्यय मुख्य शीर्ष—2053 जिला प्रशासन, उपमुख्य शीर्ष—00, लघु शीर्ष—094, अन्य स्थापनाएँ, उपशीर्ष—0007, योजना तंत्र का सुदृढीकरण, मांग संख्या—35, विपत्र कोड—N-2053000940007 के अन्तर्गत विकलनीय होगा।

बिहार—राज्यपाल के आदेश से,

विजय प्रकाश, प्रधान सचिव।

23 जनवरी 2012

सं० यो0/स्था01/2-14/2011-338—यो0वि0—योजना एवं विकास विभाग के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन राज्यादेश संख्या 2570, दिनांक 3 अगस्त 2011 द्वारा गठित स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन के लिए पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना के अधिसूचना संख्या 14473, 14474, 14475, 14476, 14477, 14478, 14479, 14481 एवं 14482, दिनांक 30 दिसम्बर 2011 द्वारा कार्यपालक अभियन्ताओं की सेवा सौंपी गयी है। इन कार्यपालक अभियन्ताओं का पदस्थापन निम्नलिखित जिलों के कार्यपालक अभियन्ता, स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन, कार्य प्रमंडल के रिक्त पदों के विरुद्ध उनके नाम के सम्मुख स्तम्भ-4 में उल्लिखित कार्यप्रमंडलों के लिए अगले आदेश तक के लिए किया जाता है:—

क्र०	कार्यपालक अभियन्ता का नाम एवं वर्तमान पदस्थापन	गृह जिला	नव पदस्थापन
1	2	3	4
1	श्री दिलीप कुमार, कार्यपालक अभियन्ता, पथ निर्माण विभाग	पटना	कार्यपालक अभियन्ता, स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन, कार्यप्रमंडल—1, बिहारशरीफ, नालन्दा
2	श्री रामजी राय, कार्यपालक अभियन्ता, पथ निर्माण विभाग	बक्सर	कार्यपालक अभियन्ता, स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन, कार्यप्रमंडल—1, बेतिया, प0 चम्पारण
3	श्री प्रदीप कुमार, कार्यपालक अभियन्ता, पथ निर्माण विभाग, अधीक्षण अभियन्ता का तकनीकी सलाहकार, सहरसा	मधेपुरा	कार्यपालक अभियन्ता, स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन, कार्यप्रमंडल अररिया
4	श्री गिरेन्द्र कुमार सिंह, कार्यपालक अभियन्ता, पथ निर्माण विभाग	सीतामढ़ी	कार्यपालक अभियन्ता, स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन, कार्यप्रमंडल—1, आरा, भोजपुर
5	श्री अमृत राम, कार्यपालक अभियन्ता, पथ निर्माण विभाग	वैशाली	कार्यपालक अभियन्ता, स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन, कार्यप्रमंडल—1, पूर्णिया

क्र०	कार्यपालक अभियंता का नाम एवं वर्तमान पदस्थापन	गृह जिला	नव पदस्थापन
1	2	3	4
6	श्री कमलेश प्रसाद, कार्यपालक अभियंता, पथ निर्माण विभाग, उड़नदस्ता प्रमण्डल संख्या-1, पटना	पटना	कार्यपालक अभियंता, स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन, कार्यप्रमंडल-1, सीतामढ़ी
7	श्री तपेश्वर प्रसाद, कार्यपालक अभियंता, पथ निर्माण विभाग	औरंगाबाद	कार्यपालक अभियंता, स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन, कार्यप्रमंडल-1, रोहतास, सासाराम
8	श्री रामसेवक कुमार, कार्यपालक अभियंता, पथ निर्माण विभाग	समस्तीपुर	कार्यपालक अभियंता, स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन, कार्यप्रमंडल-1, कटिहार
9	श्री सुदर्शन राम, कार्यपालक अभियंता, पथ निर्माण विभाग	सिवान	कार्यपालक अभियंता, स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन, कार्यप्रमंडल-2, दानापुर, पटना

2. उपर्युक्त सभी नव पदस्थापित कार्यपालक अभियंता यथाशीघ्र अपने नव पदस्थापित पद का प्रभार ग्रहण करेंगे।

3. स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन के जिला स्तरीय प्रमण्डलों का स्थापना व्यय मुख्य शीर्ष-2053 जिला प्रशासन, उपमुख्य शीर्ष-00, लघु शीर्ष-094, अन्य स्थापनाएँ, उपशीर्ष-0007, योजना तंत्र का सुदृढ़ीकरण, मांग संख्या-35, विपत्र कोड-N-2053000940007 के अन्तर्गत विकलनीय होगा।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
विजय प्रकाश, प्रधान सचिव।

जल संसाधन विभाग

अधिसूचना

25 जनवरी 2012

सं० 16/स्था.-33-14/2011-111—श्री अशोक कुमार झा (वि.प्र.से.) गृह जिला पूर्णियाँ, विशेष भू-अर्जन पदाधिकारी, कोशी योजना, सकरी (मधुबनी) का स्थानान्तरण सामान्य प्रशासन विभाग, बिहार, की अधिसूचना संख्या 12193, दिनांक 8 नवम्बर 2011 के द्वारा उप-सचिव, विधि विभाग, बिहार, पटना के पद पर हुआ है। विभागीय अधिसूचना संख्या 2289, दिनांक 29 दिसम्बर 2011 के द्वारा श्रीमती गायत्री सिन्हा का पदस्थापन विशेष भू-अर्जन पदाधिकारी, कोशी योजना, सकरी (मधुबनी) के पद पर किया गया है। श्रीमती सिन्हा के द्वारा अभी तक पदभार ग्रहण नहीं किया गया है, अतः तत्काल कार्यहित में अस्थायी रूप से वैकल्पिक व्यवस्था के तहत श्री रवीन्द्र कुमार गुप्ता (वि.प्र.से.) गृह जिला मुजफ्फरपुर, विशेष भू-अर्जन पदाधिकारी, कोशी योजना, दरभंगा को अपने वर्तमान कार्यों के अतिरिक्त विशेष भू-अर्जन पदाधिकारी, कोशी योजना, सकरी (मधुबनी) के पद का प्रभार ग्रहण करने का आदेश दिया जाता है।

आदेश से,
रघुनाथ प्रसाद,
निदेशक, भू-अर्जन एवं पुनर्वास।

लोकायुक्त का कार्यालय

अधिसूचना

19 अगस्त 2011

सं० 3/लोक (स्था०)1/87-827/लोक—बिहार लोकायुक्त (सेवा शर्तों) नियमावली 1974 के नियम 23 एवं 24 एवं कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग, बिहार, पटना की अधिसूचना संख्या-5646, दिनांक 14 जून 2006 के आलोक में श्री महेश्वर प्रसाद, निजी सहायक को लोकायुक्त के आप्त सचिव के पद पर वेतनमान 6500-200-10500, नया वेतन बैंड 9300-34800 ग्रेड पे 4800 रु० में योगदान की तिथि से प्रोन्नति दी जाती है।

चूँकि श्री महेश्वर प्रसाद वेतन बैंड 15600-39100, ग्रेड पे 6600 रु० में वेतन प्राप्त कर रहे हैं इसलिए इन्हें अतिरिक्त वेतन का लाभ देय नहीं होगा।

लोकायुक्त के आदेश से,

(ह०)—अस्पष्ट,

लोकायुक्त के संयुक्त सचिव।

निर्वाचन विभाग

अधिसूचना

27 जनवरी 2012

सं० ई२-2-021/2010-449—वित्त विभाग, बिहार के संकल्प ज्ञापांक 3/एफ०-1-04-2003/2498 वि०(2), दिनांक 12 अप्रैल 2007 में निहित प्रावधानों के अन्तर्गत श्रीमती निवेदिता सिन्हा, अवर निर्वाचन पदाधिकारी (परीक्ष्यमान), हाजीपुर को उनकी प्रथम संतान हेतु दिनांक 1 फरवरी 2011 से दिनांक 27 मार्च 2011 तक कुल 55 (पचपन) दिनों के मातृत्व अवकाश की स्वीकृति दी जाती है।

बिहार—राज्यपाल के आदेश से,

आर० के० प्रसाद, संयुक्त सचिव।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,
बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।
बिहार गजट, 48—571+100-डी०टी०पी०।
Website: <http://egazette.bih.nic.in>

भाग-2

बिहार-राज्यपाल और कार्याध्यक्षों द्वारा निकाले गये विनियम, आदेश, अधिसूचनाएं और नियम आदि।

बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्वद

अधिसूचनाएं

29 नवम्बर 2011

सं० 1394—जहानाबाद जिलान्तर्गत घोषी थाना के गंधार स्थित गंधार मठ पर्वद के अंतर्गत निबंधित एक सार्वजनिक धार्मिक न्यास है, जिसकी निबंधन संख्या-931 है।

इस न्यास के न्यासधारी महंत शिव कल्याण गिरी का देहावसान वर्ष 2006 में ही हो गया। श्री स्वामी हरि नारायणानन्द ने पर्वद को सूचित किया है कि स्व० महंत शिव कल्याण गिरी की इच्छा एवं उनके द्वारा लिखित वसीयतनामा दिनांक-13.02.2006 के अनुसार वे इस मठ का प्रबंध कर रहे हैं। कैलासवासी महंत शिव कल्याण गिरि के स्थान पर गंधार मठ के अध्यक्ष एवं प्रभारी के रूप में उनका नाम अंकित किया जाता है। उन्होंने मठ के सुचारु प्रबंधन हेतु एक न्यास समिति के गठन के लिए सदस्यों का नाम भी प्रस्तावित किया है।

अतः मैं, किशोर कुणाल, अध्यक्ष, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास पर्वद, गंधार मठ की सुव्यवस्था, संचालन एवं इसकी सम्पत्तियों की सुरक्षा हेतु बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम 1950 की धारा-32 के तहत अग्रलिखित एक योजना का निरूपण करते हुए इसके क्रियान्वयन एवं संचालन के लिए एक न्यास समिति का गठन करता हूँ :-

योजना

1. इस योजना का नाम “गंधार मठ न्यास योजना” होगा तथा इसे मूर्त रूप देने के लिए पर्वद द्वारा गठित न्यास समिति का नाम “गंधार मठ न्यास समिति” होगा, जिसमें मठ की समस्त चल-अचल सम्पत्तियों के संधारण एवं संचालन का अधिकार होगा।

2. इस न्यास समिति का मुख्य कर्तव्य न्यास की सम्पत्तियों की सुरक्षा एवं सुसंचालन तथा मठ की परम्परा एवं आचारों के अनुकूल पूजा-पाठ एवं साधु-सेवा की समुचित व्यवस्था करना होगा।

3. न्यास की समस्त आय न्यास के नाम से किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में खाता खोलकर जमा किया जायेगा तथा सचिव एवं कोषाध्यक्ष के संयुक्त हस्ताक्षर से इसका संचालन होगा।

4. न्यास समिति अधिनियम एवं उप-विधि में वर्णित सभी नियमों का पालन करते हुए प्रतिवर्ष न्यास के आय-व्यय की विवरणी, अंकेक्षण प्रतिवेदन, कार्यवृत्त आदि सम्यक् रूप से पर्वद को प्रेषित करेगी।

5. न्यास समिति में अध्यक्ष का स्थान सर्वोपरि होगा। अध्यक्ष की अनुमति से सचिव न्यास समिति की बैठक आहूत करेंगे। न्यास समिति की बैठक प्रत्येक तिमाही में एक बार अवश्य बुलाई जायेगी और बैठक की कार्यवृत्त पर्वद को प्रेषित की जायेगी।

6. न्यास समिति द्वारा कोई नयी योजना न्यास हित में आवश्यक समझा जायेगा तो इस हेतु निर्धारित विशेष बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्वद को अनुमोदन के लिए भेजेगी।

7. न्यास समिति न्यास की अतिक्रमित/हस्तांतरित भूमि की वापसी के लिए समुचित वैधानिक कार्रवाई करेगी।

8. इस योजना में परिवर्तन, परिवर्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिकित्तियों की पूर्ति का अधिकार पर्वद में निहित होगा।

9. न्यास समिति के कोई सदस्य प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से न्यास से लाभ उठाते पाये जायेंगे या न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे तो इस संबंध में उनसे स्पष्टीकरण प्राप्त कर समुचित कार्रवाई की जायेगी।

10. इस न्यास समिति का कार्यकाल आदेश की तिथि से 05 वर्षों की होगी।

पर्वद द्वारा निरूपित योजना को मूर्त रूप देने के लिए निम्नलिखित सदस्यों की न्यास समिति गठित की जाती है :-

श्री स्वामी हरिनारायणानंद बिहार सांस्कृतिक विद्यापीठ आश्रम, राजा बाजार, शेखपुरा, पटना-14 — अध्यक्ष

(1) श्री बाल्मिकी सिंह, पूर्व प्रधानाध्यापक, ग्राम-गंधार, पो0-बंधुगंज, जिला-जहानाबाद — सचिव

(2) श्री महंत दिव्यानन्द, खड्डी लोदीपुर, एकंगरसराय, नालंदा

(3) श्री मनोज कुमार सिंह, पूर्व मुखिया, गंधार, पो0-बंधुगंज, जहानाबाद

(4) श्री बुलाकी सिंह, ग्राम-गंधार, पो0-बंधुगंज, जहानाबाद

(5) श्री ललन सिंह, ग्राम-गंधार, पो0-बंधुगंज, जिला-जहानाबाद

न्यास समिति चाहे, तो, तीन और सदस्यों का चयन कर पर्षद को सूचित करेगी ।

आदेश से,
किशोर कुणाल, अध्यक्ष ।

06 जनवरी 2012

सं० 1770—सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि वैशाली जिलान्तर्गत लालगंज अंचल के ग्राम—अताउल्लाहपुर स्थित ठाकुर नन्द किशोर जी महाराज (श्री राम जानकी मठ) पर्षद के अंतर्गत निबंधित एक सार्वजनिक धार्मिक न्यास है, जिसकी निबंधन संख्या—2459 है ।

इस न्यास के न्यासधारी महंत जयगोविन्द दास का स्वर्गवास दिनांक—17.04.2008 को हो गया । उनके देहांत के बाद न्यासधारी का पद रिक्त है और अब तक पर्षद के समक्ष न्यासधारी के पद पर मान्यता हेतु कोई दावेदार उपस्थित नहीं हुआ है । इस संबंध में पर्षद के विधि अभिकर्ता द्वारा न्यास का स्थानीय निरीक्षण कराया गया और जांच अधिकारी ने यह प्रतिवेदित किया कि महंत जयगोविन्द दास के निधन के बाद न्यास का संचालन करने वाला कोई नहीं था, इसलिए स्थानीय लोग एक अस्थायी न्यास समिति बनाकर न्यास का देख-रेख कर रहे हैं । जांच के दौरान ही स्थानीय लोगों ने मठ परिसर में एक बैठक कर न्यास समिति के सदस्यों का चयन किया और पर्षद से उसके अनुमोदन का अनुरोध किया ।

उपर्युक्त परिस्थितियों में इस न्यास के सुचारु प्रबंधन हेतु एक न्यास समिति का गठन आवश्यक प्रतीत होता है ।

अतः मैं, किशोर कुणाल, अध्यक्ष, बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद ठाकुर नन्द किशोर जी महाराज (श्री राम जानकी मठ), अताउल्लाहपुर के सुचारु प्रबंधन, सम्यक विकास तथा सम्पत्तियों की सुरक्षा हेतु बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा—32 के तहत अग्रलिखित योजना का निरूपण करते हुए इसके क्रियान्वयन एवं संचालन के लिए एक न्यास समिति का गठन करता हूँ ।

योजना

1. श्री ठाकुर नन्द किशोर जी महाराज (श्री राम जानकी मठ), अताउल्लाहपुर, अंचल—लालगंज, जिला—वैशाली की बेहतर व्यवस्था के लिए अधिनियम की धारा—32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम “श्री ठाकुर नन्द किशोर जी महाराज (श्री राम जानकी मठ), अताउल्लाहपुर न्यास योजना” होगा तथा इस योजना को मूर्त रूप देने एवं क्रियान्वयन हेतु पर्षद द्वारा गठित न्यास समिति का नाम “श्री ठाकुर नन्द किशोर जी महाराज (श्री राम जानकी मठ) न्यास समिति” होगा, जिसमें मंदिर की समग्र चल-अचल सम्पत्तियों के संधारण का अधिकार होगा ।

2. इस न्यास समिति का मुख्य कर्तव्य होगा कि मंदिर में पूजा—अर्चना, राग—भोग, उत्सव, समैया सम्यक् रूप से हो । मंदिर में चढ़ाने वाले सभी नबुदी चढ़ावे, भेंट—पात्र में डाले जायेंगे तथा उसे न्यास समिति द्वारा निर्धारित दो व्यक्तियों की उपस्थिति में खोलकर, सही गणना कर किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में जमा किया जायेगा । चंदे अथवा किसी सहयोग राशि के लिए पक्की रसीद दी जायेगी, जिसका सम्यक् लेखा—संधारित किया जायेगा । आय—व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता न्यास समिति की असली परख होगा ।

3. मंदिर में आने वाले भक्तों का विशेष ध्यान दिया जायेगा । मंदिर परिसर या आस—पास जबरन किसी को ले जाने या चढ़ावे चढ़ाने के लिए बाध्य नहीं किया जायेगा । मंदिर परिसर में स्वच्छता की विशेष सुविधा का पूर्ण ध्यान रखा जायेगा । मंदिर में पूजा—अर्चना में हिन्दू भक्तों के साथ कोई भेद—भाव नहीं किया जायेगा ।

4. मंदिर में पुजारियों की अहर्ता का निर्धारण न्यास समिति करेगी । उसे वेतन भुगतान न्यास कोष से किया जायेगा । न्यास की राशि बैंक में जमा किया जायेगा और उसका संचालन न्यास समिति द्वारा अधिकृत दो व्यक्तियों के संयुक्त हस्ताक्षर से किया जायेगा ।

5. मंदिर के सम्यक् पूजा—अर्चना, राग—भोग, साधु सेवा उत्सव, प्रवचन, पुजारियों, कर्मचारियों के वेतन भुगतान एवं अन्य आवश्यक व्ययों के बाद जो राशि बचेगी, उसे जन कल्याण के कार्यों में खर्च पर्षद के पूर्वानुमति से न्यास समिति करेगी ।

6. न्यास समिति बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम एवं उपविधि में वर्णित सभी नियमों का पालन करते हुए प्रति वर्ष विवरण, बजट अंकेक्षण, कार्यवृत्त का सामयिक प्रेषण पर्षद के पास करेगी । जिन विषयों का उल्लेख इस योजना में नहीं है और मंदिर हित में इसे आवश्यक समझा जा रहा है, तो न्यास समिति प्रस्ताव पारित कर पर्षद के अनुमोदन के बाद इसे लागू करेगी ।

7. न्यास समिति के सचिव कार्यपालक अधिकारी होंगे, जो न्यास समिति के सभी नियमों को मूर्त रूप देने के लिए उत्तरदायी होंगे । अध्यक्ष की अनुमति से वे न्यास समिति की बैठक बुलायेंगे । अध्यक्ष समिति की बैठक की अध्यक्षता करेंगे । कोषाध्यक्ष लेखा संधारण का उत्तरदायी होगा ।

8. इस योजना में परिवर्तन, परिबर्द्धन एवं संशोधन का अधिकार पर्षद में निहित होगा ।

9. न्यास समिति का कार्यकाल आदेश की तिथि से 05 वर्षों का होगा ।

10. इस योजना को मूर्त रूप देने के लिए निम्नलिखित 11 (ग्यारह) व्यक्तियों की एक न्यास समिति का गठन किया जाता है :—

- | | |
|--------------------------|----------------|
| (1) श्री वैद्यनाथ सिंह | — अध्यक्ष |
| (2) श्री दीनदयाल प्रसाद | — उपाध्यक्ष |
| (3) श्री शम्भु प्रसाद | — सचिव |
| (4) श्री नवल किशोर चौधरी | — संयुक्त सचिव |

(5) श्री कमल साह	— कोषाध्यक्ष
(6) श्री लाल बाबू शर्मा	— सदस्य
(7) श्री नवल प्रसाद सिन्हा	— सदस्य
(8) श्री मुरारी सिंह	— सदस्य
(9) श्री विनय सर्राफ	— सदस्य
(10) श्री रामनाथ ठाकुर	— सदस्य
(11) श्री हरिश्चन्द्र चौधरी	— सदस्य

सभी ग्राम—अताउल्लाहपुर, अंचल—लालगंज, जिला—वैशाली

आदेश से,
किशोर कुणाल, अध्यक्ष।

9 दिसंबर 2011

सं० 1639(B)—सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि समस्तीपुर जिलान्तर्गत सरायरंजन थाना के ग्राम—किशनपुर युसुफ स्थित संत बुनियाद मठ पर्षद के अंतर्गत एक निबंधित सार्वजनिक धार्मिक न्यास है, जिसकी निबंधन संख्या—513 है।

इस न्यास के संबंध में अनुमंडल पदाधिकारी, समस्तीपुर द्वारा प्रेषित पत्रांक—830, दिनांक—16.03.2011 के साथ अंचलाधिकारी, सरायरंजन का जांच प्रतिवेदन (पत्रांक—151, दिनांक—10.03.2011) पर्षद को प्राप्त हुआ है, जिसमें यह उल्लेख किया गया है कि उक्त मठ की सम्पत्ति की सुरक्षा तथा सुचारु देखभाल हेतु स्थानीय ग्यारह सम्मानित व्यक्तियों की एक न्यास समिति कार्यरत है। उक्त प्रतिवेदन के आलोक में संत बुनियाद मठ, किशनपुर युसुफ की सम्पत्तियों की सुरक्षा और सुव्यवस्था हेतु अधिनियम की धारा—32 के तहत एक योजना का निरूपण आवश्यक प्रतीत होता है।

अतः मैं, किशोर कुणाल, अध्यक्ष, बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद, संत बुनियाद मठ, किशनपुर युसुफ, जिला—समस्तीपुर की सुव्यवस्था, संचालन तथा सम्यक विकास हेतु अधिनियम की धारा—32 के अंतर्गत अग्रलिखित योजना का निरूपण करता हूँ :-

योजना

1. श्री संत बुनियाद मठ, किशनपुर युसुफ, अंचल—सरायरंजन, जिला—समस्तीपुर की बेहतर व्यवस्था के लिए अधिनियम की धारा—32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम “श्री संत बुनियाद मठ न्यास योजना” होगा तथा इस योजना के क्रियान्वयन हेतु गठित न्यास समिति का नाम “श्री संत बुनियाद मठ न्यास समिति” होगा, जिसमें मठ की समग्र चल—अचल सम्पत्तियों के संधारण का अधिकार निहित होगा।

2. न्यास समिति न्यास की सभी चल—अचल सम्पत्तियों की सुरक्षा और सुचारु प्रबंधन सुनिश्चित करेगी। साथ ही न्यास के किसी भूखंड पर यदि किसी तरह का अतिक्रमण है, तो उस भूखंड को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए सभी न्यायोचित कदम उठायेगी।

3. न्यास में पारम्परिक धार्मिक आचारों का निर्वहन किया जायेगा। विहित रीति—रिवाजों के अनुरूप परम्परागत उत्सव आदि मनाया जायेगा।

4. न्यास समिति की बैठक प्रत्येक तिमाही में अवश्य होगी और प्रत्येक कार्यवाही की प्रति तथा किये गये कार्यों का प्रगति प्रतिवेदन पर्षद को भेजा जायेगा।

5. आय—व्यय में पारदर्शिता रखना समिति की जिम्मेदारी होगी, जिससे की समिति का कार्य परिलक्षित हो सके।

6. न्यास समिति के सचिव द्वारा कार्यवाही पुस्तिका संधारित की जायेगी। कोषाध्यक्ष को न्यास की सभी आय—व्यय के समग्र लेखा का संधारण सत्यापित पंजी में करने का दायित्व होगा।

7. न्यास समिति बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम 1950 के प्रावधानों एवं उपविधि में वर्णित नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करेगी।

8. न्यास समिति का कोई सदस्य प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से यदि न्यास से कोई लाभ लेता हुआ पाया जायेगा तो वह न्यास समिति की सदस्यता से अयोग्य घोषित किया जायेगा।

9. न्यास समिति के सदस्यों द्वारा न्यास की किसी भूखंड का किसी प्रकार का हस्तांतरण अवैध होगा एवं अधिनियम की धारा—28 (2) (ज) (vi) का दोष माना जायेगा और उसके लिए न्यास समिति के सभी सदस्य अपसाराण के पात्र होंगे।

10. न्यास समिति में अच्छे कार्य करने वाले सदस्य पुनर्मनोनयन के पात्र होंगे। गलत कार्य करने वाले सदस्य को कारण—पृच्छा देकर उससे स्पष्टीकरण प्राप्त कर तथा उस पर सम्यक विचारोपरांत निर्णय लेकर उन्हें निष्कासित किया जा सकता है।

11. न्यास समिति में कोई पद, आकास्मिक दुर्घटना या त्याग—पत्र देने के कारण रिक्त होने पर पर्षद मनोनयन करेगी।

12. इस योजना का क्रियान्वयन निम्नलिखित ग्यारह व्यक्तियों की न्यास समिति द्वारा किया जायेगा —

- | | |
|---|-------------|
| (i) श्री राम करण प्रसाद सिंह, पिता—स्व० कंचन सिंह | — अध्यक्ष |
| (ii) श्री रामाश्रय प्रसाद सिंह, पिता—स्व० सुदेख प्रसाद सिंह | — उपाध्यक्ष |
| (iii) श्री रंगीलाल प्रसाद सिंह, पिता—स्व० सिंघेश्वर प्रसाद सिंह | — सचिव |

- | | | |
|--------|--|--------------|
| (iv) | श्री महेन्द्र प्रसाद सिंह, पिता—स्व० राम प्रसाद सिंह | — कोषाध्यक्ष |
| (v) | श्री ईश्वर शर्मा, पिता—स्व० रामगुलाम शर्मा | — सदस्य |
| (vi) | श्री दुखन राय, पिता—स्व० चिन्तावन राय | — सदस्य |
| (vii) | श्री जनक राय, पिता—स्व० मखन राय | — सदस्य |
| (viii) | श्री महंत आनन्दी दास, पिता—स्व० निसीबी चौधरी | — सदस्य |
| (ix) | श्री राम सकल प्रसाद सिंह, पिता—स्व० दिनकर सिंह | — सदस्य |
| (x) | श्री बासुदेव पासवान, पिता—स्व० रामेश्वर पासवान | — सदस्य |
| (xi) | श्री योगेन्द्र प्रसाद सिंह, पिता—श्री यदुनन्दन सिंह | — सदस्य |

सभी ग्राम+पो०—किशनपुर युसुफ, थाना—सरायरंजन, जिला—समस्तीपुर एवं श्री रामाश्रय प्रसाद सिंह, ग्राम—खालिसपुर, जिला—समस्तीपुर ।

12. यह योजना आदेश की तिथि से अगले 05 वर्ष तक प्रभावी रहेगी ।

आदेश से,
किशोर कुणाल, अध्यक्ष ।

9 दिसंबर 2011

सं० 1638—बाबा गणिनाथ धाम पलवैया—महनार (इसाहाकपुर), जिला—वैशाली पर्वद के अन्तर्गत निबंधित एक सार्वजनिक धार्मिक न्यास है, जिसकी निबंधन संख्या—4124 है ।

ग्रामीण जनता द्वारा इस न्यास के सम्यक संचालन के लिये एक न्यास समिति के गठन का प्रस्ताव पर्वद में दिया गया था, इस प्रस्ताव के आलोक में पर्वदीय पत्रांक—903, दिनांक—23.08.2011 द्वारा अंचलाधिकारी, महनार से न्यास समिति के लिये ग्यारह प्रतिष्ठित लोगों का नाम भेजने का अनुरोध किया गया । अंचलाधिकारी, महनार द्वारा पत्रांक—628, दिनांक—01.10.2011 के मध्यम से न्यास समिति के लिये सदस्यों का नाम भेजा गया है ।

अतः मैं, किशोर कुणाल, अध्यक्ष, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास पर्वद, बाबा गणिनाथ धाम पलवैया, महनार (इसाहाकपुर) के सुचारु प्रबंधन, सम्यक विकास तथा सम्पत्तियों की सुरक्षा हेतु अधिनियम की धारा—32 के तहत अग्रलिखित योजना का निरूपण करते हुये इसके क्रियान्वयन एवं संचालन के लिए एक न्यास समिति का गठन करता हूँ :-

योजना

1. इस योजना का नाम बाबा गणिनाथ धाम पलवैया—महनार (इसाहाकपुर) न्यास योजना होगा तथा इसे मूर्त रूप देने के लिये पर्वद द्वारा गठित न्यास समिति का नाम “बाबा गणिनाथ धाम पलवैया—महनार (इसाहाकपुर) न्यास समिति” होगा, जिसमें न्यास की समस्त चल—अचल सम्पत्तियों के संधारण एवं संचालन का अधिकार होगा ।
 2. इस न्यास समिति का मुख्य कर्तव्य न्यास की सम्पत्ति की सुरक्षा एवं सुसंचालन तथा मंदिर की परम्परा एवं आचारों के अनुकूल पूजा—पाठ एवं साधु—सेवा की समुचित व्यवस्था करना होगा ।
 3. न्यास की समस्त आय न्यास के नाम किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में खाता खोलकर जमा किया जायेगा तथा सचिव एवं कोषाध्यक्ष के संयुक्त हस्ताक्षर से इसका संचालन होगा ।
 4. न्यास की आय—व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगा ।
 5. न्यास समिति अधिनियम एवं उप—विधि में वर्णित सभी नियमों का पालन करते हुए प्रतिवर्ष न्यास के आय—व्यय की विवरणी, अंकेक्षण प्रतिवेदन, कार्य वृत्त आदि सम्यक रूप से पर्वद को प्रेषित करेगी ।
 6. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव न्यास समिति की बैठक आहूत करेंगे । न्यास समिति की बैठक प्रत्येक तिमाही में एक बार आवश्यक बुलायी जायेगी और बैठक की कार्यवृत्त पर्वद को प्रेषित की जायेगी ।
 7. न्यास समिति द्वारा कोई नयी योजना न्यास हित में आवश्यक समझा जायेगा तो इस हेतु निर्धारित विशेष बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्वद को अनुमोदन के लिए भेजेगी ।
 8. न्यास समिति न्यास की अतिक्रमित/हस्तांतरित भूमि की वापसी के लिए समुचित वैधानिक कार्रवाई करेगी ।
 9. इस योजना में परिवर्तन, परिबर्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिकित्तियों की पूर्ति का अधिकार पर्वद में निहित होगा ।
 10. न्यास समिति के कोई सदस्य प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप न्यास से लाभ उठाते पाए जायेंगे या न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे तो इस संबंध में उनसे स्पष्टीकरण प्राप्त कर समुचित कार्रवाई की जाएगी ।
 11. न्यास समिति के सदस्य की यदि कोई आपराधिक पृष्ठभूमि होगी या वे आपराधिक काण्ड में आरोप—पत्रित होंगे तो उनकी अहर्ता समाप्त हो जायेगी ।
 12. इस न्यास समिति का कार्यकाल आदेश की तिथि से 05 वर्षों की होगी । लेकिन एक वर्ष के बाद न्यास समिति के कार्यों की समीक्षा की जायेगी और कार्य असंतोषप्रद पाये जाने पर समुचित कार्रवाई की जायेगी ।
- पर्वद द्वारा निरूपित योजना को मूर्त रूप देने के लिए निम्नलिखित सदस्यों की न्यास समिति गठित की जाती है :-
- (1) श्री रामराजी साह पे० स्व० धीना साह, ग्राम+पो०—महनार कांग्रेस मोहल्ला, जिला—वैशाली — अध्यक्ष
 - (2) श्री जवाहर साह पे० स्व० देवनारायण साह, ग्राम—महनार, वार्ड नं०—5 महानार, जिला—वैशाली — सचिव

(3)	श्री शिव नाथ साह पे0 श्री देवन्द्र साह, ग्राम-इसाहापुर, वार्ड नं0-19 जिला-वैशाली	—	कोषाध्यक्ष
(4)	श्री काली प्रसाद साह पे0 स्व0 गोधा साह, ग्राम+पो0-महानार, चौरी टोला, वार्ड नं0-16 जिला-वैशाली	—	सदस्य
(5)	श्री दारोगा साह पे0 स्व0 सुबेदार साह, ग्राम+पो0-सेखोपुर सहदेई, जिला-वैशाली	—	सदस्य
(6)	डा0 बैजनाथ साह उर्फ बैजनाथ साह, पे0 स्व0 रामबली साह, ग्राम-जकोपुर, वार्ड नं0-21, महानार, जिला-वैशाली	—	सदस्य
(7)	श्री हरे कृष्ण साह पे0 स्व0 जनक साह, ग्राम+पो0-जवज महानार, जिला-वैशाली	—	सदस्य
(8)	श्री राज कुमार साह पे0 स्व0 प्रभस ग्राम-इसाहाकपुर जीतवार, वार्ड नं0-9 महानार, जिला-वैशाली	—	सदस्य
(9)	श्री रामचन्द्र साह पे0 स्व0 बाबू लाल साह, ग्राम+पो0-महानार नुनीयाटोल, वार्ड नं0-4 जिला-वैशाली	—	सदस्य
(10)	श्री जागेश्वर साह पे0 स्व0 राम अवतार साह, ग्राम+पो0-मनीयारपुर, भाया-विदुपुर, जिला-वैशाली	—	सदस्य
(11)	श्री सुरश साह पे0 श्री बिमल साह, ग्राम-पतेहपुर, कमाली, वार्ड नं0-9 महानार, जिला-वैशाली	—	सदस्य

आदेश से,
किशोर कुणाल, अध्यक्ष।

8 दिसंबर 2011

सं० 1627—श्री सोमेश्वर नाथ महादेव मन्दिर, अरेराज, जिला-पूर्वी चम्पारण बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद के अन्तर्गत एक निबंधित सर्वजनिक धार्मिक न्यास है।

इस मन्दिर का संचालन अरेराज मठ के तत्कालीन महंत श्री शिव शंकर गिरि द्वारा दिनांक-14.12.1948 को गठित एक संचालक मंडल द्वारा किया जाता था। इस संचालक मंडल को पर्षद के तत्कालीन अध्यक्ष श्री राधा कान्त यादव के आदेश दिनांक-17.12.1991 द्वारा अमान्य कर दिया गया था, तथा मन्दिर एवं मठ को एक मान कर उसके संचालन का अधिकार महंत को दिया गया था। धार्मिक न्यास पर्षद ने अपनी बैठक दिनांक-31.12.2005 में लिए गये निर्णय द्वारा भी इसे अमान्य ही रखा गया था। दोनों बार सुनवाई में महन्त जी उपस्थित थे। इसके विरुद्ध मठ के महंत श्री शिवानन्द गिरि अथवा संचालक मंडल द्वारा कोई अपील या रिट याचिका दायर नहीं किया गया था। इस तरह उक्त पर्षदीय आदेश दिनांक-17.12.1991 एवं 31.12.2005 मान्य रहा।

अरेराज मठ के अन्तर्गत महंत द्वारा श्री सोमेश्वर नाथ महादेव मन्दिर का भी संचालन होता रहा, जिसका कार्य संतोषप्रद नहीं रहने के कारण पर्षदीय अधिसूचना ज्ञापांक-1904, दिनांक-15.07.2006 द्वारा महंत शिवानन्द गिरि की अध्यक्षता में श्री सोमेश्वर नाथ महादेव मन्दिर, अरेराज के संचालन के लिए एक न्यास समिति का गठन किया गया था, जिसकी अवधि गजट प्रकाशन की तिथि से पाँच वर्षों तक यानी दिनांक-31.07.2011 तक थी। इस न्यास समिति में महन्त श्री शिवानन्द गिरि ने अनेक बैठकों में भाग लिया और अध्यक्षता की।

उक्त न्यास समिति के अध्यक्ष पद से महंत शिवानन्द गिरि द्वारा बीच में ही त्याग पत्र देने के कारण पर्षदीय अधिसूचना ज्ञापांक-853, दिनांक-16.07.2008 द्वारा जिलाधिकारी, पूर्वी चम्पारण को न्यास समिति का अध्यक्ष पर्षद द्वारा नियुक्त किया गया। इस नियुक्ति के विरुद्ध महंत शिवानन्द गिरि द्वारा कोई वाद नहीं लाया गया, परन्तु महंत द्वारा अध्यक्ष पद से त्याग देने के पहले ही जिला व्यवहार न्यायालय, मोतिहारी के समक्ष एक टाईटिल सूट संख्या-111/2008 दायर कर मन्दिर की सम्पत्ति को निजी स्वामित्व के अधिकार का दावा किया गया, जिसमें निषेधाज्ञा के बिन्दु पर दिनांक-24.09.2008 को फैसला महंत के विरुद्ध में आया परन्तु प्रतिवादी पर्षद द्वारा उक्त आदेश के अंतिम कंडिका में सी0 पी0 सी0 की धारा-151 के अन्तर्गत दिये कुछ अभिमत के विरुद्ध मा0 उच्च न्यायालय के समक्ष मिस0 अपील संख्या-684/2008 दायर किया गया। साथ ही महंत शिवानन्द गिरि द्वारा भी निम्न न्यायालय के उक्त आदेश दिनांक-24.09.2008 जिसके द्वारा (वादी महंत द्वारा) निषेधाज्ञा हेतु दिये गये आवेदन को कुछ अभिमत के साथ खारिज करने के विरुद्ध एक मिस0 अपील संख्या-752/2008 दायर किया गया।

उक्त दोनों मिस0 अपील की सुनवाई एक साथ कर मा0 उच्च न्यायालय, पटना ने अपने आदेश दिनांक-20.04.2009 द्वारा संचालक मंडल से संबंधित डीड दिनांक-14.12.1948 को अमान्य इस आधार पर कर दिया कि जब पर्षद ने बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम की धारा-32 के तहत न्यास के संचालन के लिए योजना बनायी है, तब उक्त डीड का आधार नहीं रहा। मा0 उच्च न्यायालय ने अपने उक्त आदेश में यह भी लिखा है कि चूँकि अनुसूची-1 में वर्णित सम्पत्ति अरेराज मठ के रूप में पर्षद के अन्तर्गत एक निबंधित धार्मिक न्यास है, जिसकी निबंधन संख्या-44 है, तथा लोअर कोर्ट अपने आदेश दिनांक-24.09.2008 में स्पष्ट कहा है कि वादी महंत को निषेधाज्ञा माँगने का कोई प्रथम द्रष्टया मामला नहीं बनता है,

इसलिए इससे संबंधित अनुसूची-1 पर निषेध हेतु प्रार्थना खारिज की जाती है। मा0 उच्च न्यायालय ने इस अनुसूची-1 की सम्पत्ति पर प्रशासन और पर्यवेक्षण का अधिकार पर्षद को दिया है।

मा0 उच्च न्यायालय द्वारा उक्त दोनों मुकदमों में संयुक्त रूप से पारित आदेश का संबंधित अंश निम्नवत है:-

In the result, the appeal of the Board (M.A. no. 648 of 2008) is allowed and the underlined portion in last paragraph of the impugned order restraining the Board from interfering and managing the Schedule I property and further directing management of Trust as per samarpan-nama dated 14-12-1948 is hereby set aside. Subject to the aforesaid modification in the impugned order, the findings and the conclusion in the impugned order rejecting the prayer of the injunction of the plaintiff-appellant is hereby upheld and accordingly the appeal of the plaintiff-appellant-mahanth (M.A. no. 752 of 2008) is dismissed with the aforesaid observations and directions.

मा0 उच्च न्यायालय ने अपने उक्त आदेश द्वारा पर्षद द्वारा दायर मिस0 अपील 684/2008 को स्वीकार कर लिया तथा तत्कालीन महन्त के द्वारा गठित संचालक मंडल दिनांक-14.12.1948 को निरस्त कर दिया और वादी महन्त के मिस0 अपील संख्या-752/2008 को खारिज कर दिया।

उपर्युक्त परिस्थिति में बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा-34 के अन्तर्गत पर्षद में निबंधन संख्या-44 के तहत निबंधित अरेराज मठ एवं निबंधन संख्या- 44 (क) के तहत निबंधित श्री सोमेश्वर नाथ महादेव मन्दिर की सुव्यवस्था, संचालन एवं विकास के लिए न्यास-समिति का गठन करना आवश्यक है। साथ ही पर्षदीय अधिसूचना संख्या-1904, दिनांक-15.07.2006 द्वारा गठित न्यास-समिति जो गजट प्रकाशन की तिथि-01.08.2006 से पाँच वर्षों के लिए बनायी गयी थी, उसका कार्यकाल दिनांक-31.07.2011 को समाप्त हो गया है। अतः मा0 उच्च न्यायालय के उक्त आदेश के आलोक में बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम की धारा-32 के अन्तर्गत अग्रलिखित योजना का निरूपण किया जाता है, और यह तबतक लागू रहेगा जबतक महन्त जी किसी सक्षम न्यायालय से इसके विपरित कोई आदेश नहीं प्राप्त करते।

योजना

1. अरेराज मठ एवं श्री सोमेश्वर नाथ महादेव मन्दिर एवं इसके समग्र परिसर की बेहतर व्यवस्था के लिए बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम 1950 की धारा-32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम "श्री सोमेश्वर नाथ महादेव मन्दिर एवं अरेराज मठ योजना" होगा तथा इस योजना को मूर्त रूप देने के लिए बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद (अब से पर्षद) द्वारा एक न्यास समिति का गठन किया जाता है, जिसका नाम होगा " श्री सोमेश्वर नाथ महादेव मंदिर एवं अरेराज मठ न्यास समिति"। इस न्यास समिति को अरेराज मठ एवं श्री सोमेश्वर नाथ महादेव मंदिर, अरेराज की समग्र चल-अचल सम्पत्तियों के संधारण (possession) का अधिकार होगा तथा जिसमें अरेराज मठ एवं मंदिर, इसकी समग्र परिसर एवं इसके द्वारा संचालित सभी संस्थानों के प्रबंधन, प्रशासन एवं संचालन की शक्ति निहित होगी।

2. इस न्यास समिति का मुख्य कर्तव्य होगा कि मन्दिर-मठ में परम्परानुसार पूजा-पाठ, साधु सेवा, श्री सोमेश्वर नाथ भगवान की पूजा-अर्चना, अभिषेक, उत्सव, राग-भोग सम्यक् रूप से हो। मठ की आय का उपयोग उक्त कार्यों पर होगा तथा मंदिर में चढ़ने वाले सभी नगद चढ़ावे भेंट पात्र में डाले जायेंगे तथा उन्हें निर्धारित तिथि को न्यास समिति के द्वारा अधिकृत दो व्यक्तियों की उपस्थिति में खोलकर उसकी सही गणना कर राष्ट्रीयकृत बैंक में जमा किया जायेगा। शेष सभी चढ़ावा एवं उपहारों के लिए दाताओं को उचित पावती देकर उन्हें सत्यापित पंजी में प्रविष्ट कर प्रदर्श के रूप में रखा जायेगा। विवाह या किसी भी संस्कार के लिए निर्धारित राशि ही ली जायेगी और इसके लिए तथा चंदे या किसी प्रकार का सहयोग राशि के लिए पक्की रसीद दी जायेगी, जिसका सम्यक् लेखा संधारण किया जायेगा। आय-व्यय में शुचिता एवं पारदर्शिता न्यास समिति की असली परख होगी। यदि न्यास समिति का कोई सदस्य अथवा उनके रिश्तेदार या परोक्ष से किसी सहयोगी के माध्यम से न्यास की सम्पत्ति से प्राप्त आय अथवा सम्पत्ति का उपयोग करते पाए जायेंगे, तो उन्हें न्यास समिति की सदस्यता से वंचित किया जा सकेगा।

3. श्री सोमेश्वर नाथ महादेव मंदिर में आने वाले भक्तों की सुविधा का विशेष ध्यान दिया जायेगा। मंदिर परिसर या आस-पास उन्हें जबरन कहीं ले जाना या चढ़ावा चढ़ाने के लिए बाध्य नहीं किया जायेगा। भगवान के विग्रह के दर्शन या जल चढ़ावे के लिए कोई शुल्क नहीं लगेगा, किंतु शिवाभिषेक पाठ या किसी विशेष अर्चना के लिए निर्धारित शुल्क देय होगा, उससे अधिक राशि उनसे नहीं ली जायेगी। मंदिर परिसर में स्वच्छता, जलापूर्ति, बिजली एवं अन्य आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए न्यास समिति विशेष रूप से तत्पर रहेगी। महाशिवरात्रि, श्रावणी महोत्सव एवं अन्य अवसरों पर उनकी विशेष सुविधाओं का पूर्ण ध्यान रखा जायेगा। मंदिर में दर्शन, पूजा-अर्चना में हिन्दू भक्तों के साथ किसी प्रकार का भेद-भाव नहीं किया जायेगा। निःशक्त व्यक्तियों के लिए अवरोध मुक्त (सुलभ) प्रवेश की व्यवस्था की जायेगी।

4. मंदिर एवं मठ में कार्यरत वर्तमान पुजारी योग्य होने की स्थिति में पूर्ववत् पूजा-अर्चना करते रहेंगे। पुजारियों की योग्यता का निर्धारण न्यास समिति करेगी। भविष्य में पुजारियों, अर्चकों एवं अन्य कर्मचारियों की नियुक्ति के लिए न्यास समिति विहित प्रक्रिया द्वारा ही चयन करेगी। उनके वेतन का भुगतान न्यास के कोष से होगा।

5. न्यास समिति की बैठक हर तिमाही में होगी। बैठक में बहुमत से निर्णय होगा। न्यास समिति में विद्यमान सदस्य-संख्या से गणपूर्ति (quorum) निर्धारित होगी।

6. मठ एवं मंदिर में सम्यक् पूजा-अर्चना, राग-भोग, साधु सेवा, श्रृंगार, उत्सव, प्रवचन, पुजारियों एवं कर्मचारियों के वेतन भुगतान, अन्य आवश्यक व्ययों के वहन तथा मंदिर के विकास के बाद जो राशि बचेगी, उसमें जन कल्याण की अनेक उपयोगी योजनाएं न्यास समिति पक्ष के पूर्वानुमोदन से चलायेगी।

7. महन्त श्री शिवानन्द गिरी इस धार्मिक न्यास के महन्त बने रहेंगे। वे न्यास-समिति के संरक्षक होंगे और बैठक में भाग लेंगे। न्यास में इनको पूर्ण सम्मान दिया जायेगा। चूँकि वे संन्यासी हैं, अतः उनके निजी व्यय के लिए न्यास-समिति अपनी आय का आकलन कर उस आय का एक अंश उनके व्यय के लिए निर्धारित कर उन्हें हर माह देगी, ताकि उन्हें अपने निजी व्यय एवं चिकित्सा में कोई कठिनाई नहीं हो। भगवान की पूजा-अर्चना, साधु सेवा के लिए उनके द्वारा जो भी जरूरी सुझाव दिया जायेगा, उस पर न्यास-समिति विचार करेगी। महन्त न्यास-समिति के संरक्षक के रूप में कार्य करेंगे। आध्यात्मिक विषयों पर उनके परामर्श को प्रमुखता दी जायेगी तथा मन्दिर में साधु/संन्यासियों की सेवा में कोई कोताही नहीं की जायेगी।

8. न्यास-समिति में एक अध्यक्ष का पद होगा। अध्यक्ष न्यास के कार्यों का सामान्य पर्यवेक्षण करेंगे, ताकि न्यास सुचारु रूप से चले। किन्तु न्यास में निर्णय बहुमत के आधार पर होगा।

मतों की बराबरी की स्थिति में अध्यक्ष को एक और अतिरिक्त मत का अधिकार रहेगा। अध्यक्ष द्वारा सभी बैठकों की अध्यक्षता की जायेगी। अध्यक्ष की अनुमति से न्यास-समिति की बैठक सचिव द्वारा बुलाई जायेगी।

9. न्यास समिति में एक उपाध्यक्ष का पद होगा। न्यास-समिति की बैठक हर तिमाही में होगी। यदि किसी तिमाही में बैठक नहीं होती है और अगली तिमाही में भी एक माह तक बैठक नहीं बुलाई जाती है, तो उपाध्यक्ष स्वयं अध्यक्ष एवं सचिव से सम्पर्क कर बैठक सुनिश्चित करेंगे और बैठक नहीं बुलाये जाने की स्थिति में वे स्वयं 10 दिनों का नोटिस एवं कार्य बिन्दु (Agenda) लिखित रूप से प्रसारित कर बैठक अवश्य बुलायेंगे। अध्यक्ष की अनुपस्थिति में उपाध्यक्ष बैठक की अध्यक्षता करेंगे।

10. न्यास समिति में एक सचिव का पद होगा। सचिव न्यास समिति के सभी निर्णयों को मूर्त रूप देने के लिए उत्तरदायी होंगे। पक्ष से पत्राचार के लिए अध्यक्ष/सचिव अधिकृत होंगे तथा भगवान की पूजा अर्चना तथा भोग-राग के लिए किसी आकस्मिक निर्णय का अधिकार अध्यक्ष/सचिव का होगा। अध्यक्ष और सचिव द्वारा लिए गये किसी भी आकस्मिक निर्णय का अनुमोदन समिति की अगली बैठक में बहुमत से किया जायेगा।

11. समिति में एक कोषाध्यक्ष का पद होगा जिसपर समिति की समग्र लेखा के सम्यक संचालन का दायित्व होगा। मंदिर एवं मठ में प्राप्त सभी धन राशि बैंक में जमा की जायेगी और बैंक से राशि निकालने के लिए कोषाध्यक्ष एवं अध्यक्ष अथवा सचिव के संयुक्त हस्ताक्षर आवश्यक होंगे। कोषाध्यक्ष पर सम्यक लेखा अंकंक्षण कराने का दायित्व होगा। वित्तीय वर्ष बीतने पर चार माह के अन्दर समग्र लेखा का अंकंक्षण करा कर अंकंक्षण प्रतिवेदन शीघ्र पक्ष को प्रेषित किया जायेगा।

12. न्यास समिति बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम एवं उपविधि में वर्णित सभी नियमों का सम्यक अनुपालन करते हुए बजट, वार्षिक आय व्यय विवरणी, अंकंक्षण प्रतिवेदन, बैठकों के कार्यवृत्त आदि का सामयिक प्रेषण पक्ष के पास करेगी।

13. न्यास-समिति द्वारा मन्दिर-मठ के संचालन के लिए किसी भी उपसमिति की स्थापना नहीं की जायेगी। पिछली न्यास-समिति द्वारा गठित उपसमिति ने समिति के दायित्वों का ही अपहरण कर रखा था।

14. जिन विषयों का उल्लेख योजना में नहीं है और मंदिर के हित में आवश्यक समझा जायेगा, तो न्यास समिति प्रस्ताव पारित कर पक्ष के अनुमोदन के बाद कार्य करेगी। जिन विषयों का प्रावधान इस योजना में नहीं है, उनके संबंध में अधिनियम एवं उपविधि में वर्णित प्रावधान प्रभावी होंगे।

15. न्यास समिति में कम से कम 7 और अधिक से अधिक 11 सदस्य होंगे। न्यास समिति में किसी प्रकार की आकस्मिक रिक्ति की पूर्ति के लिए न्यास समिति अपनी बैठक में एक एक रिक्त स्थान के लिए तीन नामों की सूची पारस्परिक सहमति से पक्ष के पास भेजेगी, पक्ष उसपर सभी पहलुओं पर विचार करने के बाद उचित निर्णय लेगी।

16. इस योजना में परिवर्तन एवं संशोधन का अधिकार पक्ष में निहित होगा।

17. इस योजना को मूर्त रूप देने के लिए निम्नलिखित व्यक्तियों की न्यास समिति का गठन किया जाता है:—

(1) अनुमंडल पदाधिकारी, अरेराज, जिला— पूर्वी चंपारण	—	पदेन अध्यक्ष
(2) श्री विनय बिहारी वर्मा, ग्राम+पो0— अरेराज, जिला— पूर्वी चंपारण	—	उपाध्यक्ष
(3) श्री मदन मोहन तिवारी, वरिष्ठ पत्रकार	—	सचिव
(4) श्री व्यास पाण्डे, ग्राम—गोईठाहा, थाना— गोविन्दगंज	—	कोषाध्यक्ष
(5) प्रो० शंभू शरण गिरी, ग्राम+पो0— अरेराज, जिला— पूर्वी चंपारण	—	सदस्य
(6) श्री बंगाली राम, सेवानिवृत्त शिक्षक, ग्राम+पो0— अरेराज, जिला— पूर्वी चंपारण	—	सदस्य
(7) श्रीमती रीता पाठक, सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य, इन्टर कॉलेज, अरेराज	—	सदस्य
(8) श्री मनोज कुमार, भूतपूर्व अध्यक्ष, अरेराज व्यवसायी संघ	—	सदस्य
(9) श्री जय गोविन्द यादव, सेवा नि० शिक्षक, अरेराज, पूर्वी चंपारण	—	सदस्य

18. इस न्यास समिति का कार्यकाल आदेश की तिथि से 5 वर्षों का होगा। समिति द्वारा सहायनीय कार्य करने तथा मठ एवं मंदिर की आय में अतिशय वृद्धि तथा आय-व्यय में पूरी पारदर्शिता रखने पर समिति के कर्तव्यनिष्ठ सदस्य पुनर्मनोनयन के पात्र होंगे। जन साधारण की जानकारी के लिए इसे राजकीय गजट में प्रकाशित कराया जाये।

आदेश से,
किशोर कुणाल, अध्यक्ष।

2 दिसंबर 2011

सं० 1561—सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पूर्णिया जिलान्तर्गत जानकी नगर थाना के ग्राम—रामपुर तिलक स्थित कबीर पंथी मठ (सद्गुरु कबीर स्नेही धाम) पर्षद के अंतर्गत निबंधित एक सार्वजनिक धार्मिक न्यास है, जिसकी निबंधन संख्या—858 है।

पर्षदीय पत्रांक—1893, दिनांक—15.07.2006 द्वारा श्री बालेश्वर दास को इस न्यास का अधिनियम की धारा—33 के तहत अस्थायी न्यासधारी नियुक्त किया गया था। साथ ही पर्षदीय अधिसूचना संख्या—675, दिनांक—20.06.2008 द्वारा न्यास सम्पत्तियों की सुरक्षा, सुव्यवस्था एवं सम्यक विकास के लिए ग्यारह सदस्यीय न्यास समिति का भी गठन किया गया था। श्री बालेश्वर दास एवं उक्त न्यास समिति के सभी सदस्यों ने स्वेच्छा से त्याग पत्र दे दिया है।

कबीर पंथ के प्रतिष्ठित संत श्री धर्म स्वरूप जी ने उक्त न्यास के महंत पद पर आवाल ब्रह्मचारी श्री अनुपम स्वरूप जी को नियुक्त करने का अनुरोध किया है। अतः श्री बालेश्वर दास के स्थान पर श्री अनुपम जी स्वरूप का नाम अंकित किया जाता है। साथ ही उन्होंने सप्त सदस्यीय न्यास समिति के गठन की भी अनुशंसा की है।

अतः मैं, किशोर कुणाल, अध्यक्ष, बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद, कबीर पंथी मठ (सद्गुरु कबीर स्नेही धाम), रामपुर तिलक की सुव्यवस्था, संचालन एवं इसकी सम्पत्तियों की सुरक्षा हेतु बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा—32 के तहत अग्रलिखित एक योजना का निरूपण करते हुए इसके क्रियान्वयन एवं संचालन के लिए एक न्यास समिति का गठन करता हूँ।

योजना

1. इस योजना का नाम “कबीर पंथी मठ, रामपुर तिलक न्यास योजना” होगा तथा इसे मूर्त रूप देने के लिए पर्षद द्वारा गठित न्यास समिति का नाम “कबीर पंथी मठ, रामपुर तिलक न्यास समिति” होगा, जिसमें मठ की समस्त चल-अचल सम्पत्तियों के संधारण एवं संचालन का अधिकार होगा।

2. इस न्यास समिति का मुख्य कर्तव्य न्यास की सम्पत्तियों की सुरक्षा एवं सुसंचालन तथा मठ की परम्परा एवं आचारों के अनुकूल पूजा-पाठ एवं साधु-सेवा की समुचित व्यवस्था करना होगा।

3. न्यास की समस्त आय न्यास के नाम से किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में खाता खोलकर जमा किया जायेगा तथा सचिव एवं कोषाध्यक्ष के संयुक्त हस्ताक्षर से इसका संचालन होगा।

4. न्यास की आय-व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगी।

5. न्यास समिति अधिनियम एवं उप-विधि में वर्णित सभी नियमों का पालन करते हुए प्रतिवर्ष न्यास के आय-व्यय की विवरणी, अंकेक्षण प्रतिवेदन, कार्यवृत्त आदि सम्यक् रूप से पर्षद को प्रेषित करेगी।

6. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव न्यास समिति की बैठक आहूत करेंगे। न्यास समिति की बैठक प्रत्येक तिमाही में एक बार अवश्य बुलाई जायेगी और बैठक की कार्यवृत्त पर्षद को प्रेषित की जायेगी।

7. न्यास समिति द्वारा कोई नयी योजना न्यास हित में आवश्यक समझा जायेगा तो इस हेतु निर्धारित विशेष बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्षद को अनुमोदन के लिए भेजेगी।

8. न्यास समिति न्यास की अतिक्रमिता/हस्तांतरित भूमि की वापसी के लिए समुचित वैधानिक कार्रवाई करेगी।

9. इस योजना में परिवर्तन, परिबर्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिक्तियों की पूर्ति का अधिकार पर्षद में निहित होगा।

10. न्यास समिति के कोई सदस्य प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से न्यास से लाभ उठाते पाये जायेंगे या न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे तो इस संबंध में उनसे स्पष्टीकरण प्राप्त कर समुचित कार्रवाई की जायेगी।

पर्षद द्वारा निरूपित इस योजना को मूर्त रूप देने के लिए निम्नलिखित सदस्यों की न्यास समिति गठित की जाती है :-

- | | | |
|--|---|------------|
| (1) श्री अनुपम स्वरूप जी, ग्राम—रामपुर तिलक, पो0—जानकी नगर, पूर्णिया | — | अध्यक्ष |
| (2) श्री रणजीत जी, ग्राम—रामपुर तिलक, पो0—जानकी नगर, पूर्णिया | — | सचिव |
| (3) श्री भीष्म नारायण दास जी, ग्राम—रामपुर तिलक, पो0—जानकी नगर, पूर्णिया | — | कोषाध्यक्ष |
| (4) श्री महेन्द्र दास जी, ग्राम—रामपुर तिलक, पो0—जानकी नगर, पूर्णिया | — | सदस्य |
| (5) महंत श्री आत्म स्वरूप गोस्वामी, ग्राम+पो0—गिधवास, जिला—अररिया | — | सदस्य |
| (6) महंत श्री चिदानन्द स्वरूप जी, ग्राम—रामपुर तिलक, पो0—जानकी नगर, पूर्णिया | — | सदस्य |
| (7) श्री जगदेव दास जी “जिज्ञासु”, ग्राम—रतनपट्टी, पो0—मुरलीगंज, जिला—मधेपुरा | — | सदस्य |

इस न्यास समिति का कार्यकाल आदेश की तिथि से 05 वर्षों की होगी।

आदेश से,
किशोर कुणाल, अध्यक्ष।

7 दिसंबर 2011

सं० 1590—शिव मंदिर, रामजी चक, दीघा, पटना बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद के तहत निबंधित एक सार्वजनिक धार्मिक न्यास है, जिसकी निबंधन संख्या—3766 है । पर्षद को सूचना मिली है कि इस मंदिर के समुचित प्रबंधन के अभाव में पूजा—अर्चना एवं अन्य धार्मिक कृत्य बाधित हो रहा है, इसकी चल—अचल सम्पत्तियों का दुरुपयोग हो रहा है, जिससे आम जनता में काफी असंतोष व्याप्त है ।

अतः मैं, किशोर कुणाल, अध्यक्ष, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास पर्षद, शिव मंदिर, रामजी चक, दीघा, पटना के सुचारु प्रबंधन, सम्यक् विकास तथा सम्पत्तियों की सुरक्षा हेतु बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा—32 के तहत अग्रलिखित योजना का निरूपण करते हुए इसके क्रियान्वयन एवं संचालन के लिए एक न्यास समिति का गठन करता हूँ :—

योजना

1. इस योजना का नाम “शिव मंदिर, रामजी चक, दीघा, पटना न्यास योजना” होगा तथा इसे मूर्त रूप देने के लिए पर्षद द्वारा गठित न्यास समिति का नाम “शिव मंदिर, रामजी चक, दीघा, पटना न्यास समिति” होगा, जिसमें मंदिर की समस्त चल—अचल सम्पत्तियों के संधारण एवं संचालन का अधिकार होगा ।

2. इस न्यास समिति का मुख्य कर्तव्य न्यास की सम्पत्तियों की सुरक्षा एवं सुसंचालन तथा मठ की परम्परा एवं आचारों के अनुकूल पूजा—पाठ एवं साधु—सेवा की समुचित व्यवस्था करना होगा ।

3. न्यास की समस्त आय न्यास के नाम से किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में खाता खोलकर जमा किया जायेगा तथा सचिव एवं कोषाध्यक्ष के संयुक्त हस्ताक्षर से इसका संचालन होगा ।

4. न्यास की आय—व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगी ।

5. न्यास समिति अधिनियम एवं उप—विधि में वर्णित सभी नियमों का पालन करते हुए प्रतिवर्ष न्यास के आय—व्यय की विवरणी, अंकेक्षण प्रतिवेदन, कार्यवृत्त आदि सम्यक् रूप से पर्षद को प्रेषित करेगी ।

6. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव न्यास समिति की बैठक आहूत करेंगे । न्यास समिति की बैठक प्रत्येक तिमाही में एक बार अवश्य बुलायी जायेगी और बैठक की कार्यवृत्त पर्षद को प्रेषित की जायेगी ।

7. न्यास समिति द्वारा कोई नयी योजना न्यास हित में आवश्यक समझा जायेगा तो इस हेतु निर्धारित विशेष बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्षद को अनुमोदन के लिए भेजेगी ।

8. न्यास समिति न्यास की अतिक्रमित/हस्तांतरित भूमि की वापसी के लिए समुचित वैधानिक कार्रवाई करेगी ।

9. इस योजना में परिवर्तन, परिबर्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिकवियर्स की पूर्ति का अधिकार पर्षद में निहित होगा ।

10. न्यास समिति के कोई सदस्य प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से न्यास से लाभ उठाते पाये जायेंगे या न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे तो इस संबंध में उनसे स्पष्टीकरण प्राप्त कर समुचित कार्रवाई की जायेगी ।

11. न्यास समिति के सदस्य की यदि कोई आपराधिक पृष्ठभूमि होगी या वे आपराधिक कांड में आरोप—पत्रित होंगे तो उनकी अहर्ता समाप्त हो जायेगी ।

12. इस न्यास समिति का कार्यकाल आदेश की तिथि से 05 वर्षों की होगी । समिति के सदस्यों का कार्य संतोषजनक पाये जाने पर वे पुनर्मनोनयन के पात्र होंगे ।

पर्षद द्वारा निरूपित योजना को मूर्त रूप देने के लिए निम्नलिखित सदस्यों की न्यास समिति गठित की जाती है :—

- | | | |
|--|---|------------|
| (1) श्री अजित शुक्ला, अधिवक्ता एवं समाज सेवक, पिता—श्री जे० पी० शुक्ला, वरीय अधिवक्ता, उच्च न्यायालय, पता—180, पाटलीपुत्रा कॉलोनी, गोल्फ ग्राउंड के पीछे, पटना । | — | अध्यक्ष |
| (2) श्री कामेश्वर सिंह, पिता—स्व० बिन्देश्वरी सिंह, पता—सरकारी स्कूल गली, रामजी चक, दीघा, पटना—18 | — | सचिव |
| (3) श्री प्रमोद सिंह, पिता—स्व० फतेह नारायण सिंह, पता—सरकारी स्कूल गली, रामजी चक, दीघा, पटना—18 | — | कोषाध्यक्ष |
| (4) श्री गोपाल प्रसाद, वार्ड पार्षद, वार्ड नं०—32, पिता—स्व० राम विलास पासवान, पता—गांधी रोड, रामजी चक, दीघा, पटना—18 | — | सदस्य |
| (5) श्री रघुवर चौधरी, पिता—स्व० लक्ष्मी चौधरी, पता—सरकारी स्कूल गली, रामजी चक, दीघा, पटना—18 | — | सदस्य |
| (6) श्री रवीन्द्र ठाकुर, वार्ड पार्षद, वार्ड नं०—30, पिता—स्व० रामजीवन ठाकुर, पता—सरकारी स्कूल गली, रामजी चक, दीघा, पटना—18 | — | सदस्य |
| (7) श्रीमती जानकी देवी, पत्नी—स्व० रामतवक्या शर्मा, पता—सरकारी स्कूल गली, रामजी चक, दीघा, पटना—18 | — | सदस्य |
| (8) श्री मनोज राय, पिता—श्री बच्चा सिंह, पता—902, लीलावर्त अपार्टमेंट, पाटलीपुत्रा कॉलोनी, अल्पना मार्केट के बगल में, पटना । | — | सदस्य |
| (9) श्री नन्द किशोर गुप्ता, पिता—श्री मधुसुदन लाल, पता—रामजी चक, दीघा, पटना—18 | — | सदस्य |
| (10) श्री उदय सिंह, पिता—स्व० हजारी सिंह, पता—रामजी चक, दीघा, पटना—18 | — | सदस्य |

- (11) श्री मनोज सिंह, पिता—श्री राम दयाल सिंह, पता—सरकारी स्कूल गली, — सदस्य
रामजी चक, दीघा, पटना—18

आदेश से,
किशोर कुणाल, अध्यक्ष।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,
बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।
बिहार गजट, 48—571+10-डी0टी0पी0।
Website: <http://egazette.bih.nic.in>